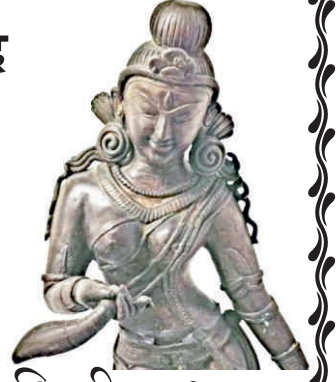


श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद वि. पुलिमामिडी, मं. कंदकुर, जि. रंगारेड्डी (तेलंगाणा) धनदा यक्षिणी साधना शिविर

स्थल - सरदार वल्लभभाई पटेल मंगल भवन,
सर्कस ग्राउंड, बिछिया चौराहा - मंडला (मध्य प्रदेश)



रविवार, दि. 11-02-2024

भगवान् कुबेर जी को यक्ष राज कहते हैं। कोई भी यक्षिणी साधना सिद्धि के लीये, पहले 108 या 1008 बार निम्न यक्षराज कुबेर जी का मन्त्र पिली हकीक माला से जपना चाहिये।

धनदा लक्ष्मी यक्षिणी ध्यानं -

लक्ष्मीं पद्मासन गत कटिं सुर्य शीतांशु नेत्रां
उद्यद्भास्वत्कर चय रुचिं पद्म शंख पाणिं नाना मुक्ता
मणि सुशकलैर्भुषिंतांगा द्विबाहुं नित्यं लोकत्रितय
फलदां नमाम्यहं भक्ति पुर्वकं ।

मंत्र - “ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्य समृद्धिं देहि रुद्राय स्वाहा”

इसके बाद साधक धनदा यक्षिणी यंत्र का संक्षिप्त पुजन कर अपने सामने चांदि या ताम्र पात्र मे स्थापित कर दे। उस यंत्र के सामने निम्न मंत्रों मे से कोई एक मंत्र 1000 बार पिली हकीक माला से जप करे।

- 1) “ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं त्रिभूवनपालिन्यै महालक्ष्मी अस्माकं दारिद्र्यं नाशय नाशय प्रचुरं धनं मे देहि देहि क्लीं ह्रीं श्रीं ॐ”
- 2) “ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीं ह्रीं सः स्वाहा”
- 3) “हां ह्रीं हे हैं हौं हः”

उसके विशेष द्रव्यों से 100 आहुति प्रदान करे। यन्त्र एवं मंत्र सिद्ध होगा। साधक के जीवन मे कभी धन धान्य का अभाव नही होगा ।

सामग्री -

धनदा यक्षिणी यंत्र
पिली हकीक माला

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

मोबाईल - 9391029811, 9849069834.

